वैज्ञानिक विधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीणों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर चंदवा,लातेहार में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन उत्पादकता संस्थान,राँची द्वारा,१७ एवं १८ मार्च,२०१५ को लातेहार जिले के लाह बीज फार्म,चंदवा में वैज्ञानिक बिधि द्वारा लाख की खेती के माध्यम से ग्रामीणों का सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोयित किया गया| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लातेहार जिले के सुदूर ग्रामों के ५० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमे प्रमुख रूप में आदिवासी बहुल क्षेत्र के प्रगतिशील किसान एवं पंचायत के प्रतिनिधि थे| इस कार्यक्रम का मुख उद्देश्य विशेष रूप से पलास,बेर,कुसुम एवं फ्लेमेंजिया सेमियालता पर वैज्ञानिक बिधि द्वारा लाख उत्पादन कर ग्रामीणों का सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए प्रेरित करना था|

इस संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० ए० के० पांडे तथा डा० शरद तिवारी ने किसानों को पलास,बेर एवं कुसुम के साथ-साथ फ्लेमेंजिया सेमियालता पर भी लाख लगाने के लिए उत्साहित किया|

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान श्री एस० एन० वैद्य एवं श्री बी०डी०पंडित ने पलास, बेर, कुसुम पर लाख की खेती के साथ-साथ फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाख की खेती के लिए पौधों की छंटाई,लाख बीज,लाख लगाने की बिधि, लाख कीट का पहचान, लाख पोषक पौध एवं उनका प्रबंधन,लाख कीट एवं लाख के दुश्मन कीटों का पहचान,एवं उनपर नियंत्रण की बिधि, लाख एवं लाख बीज का रख रखाव परिपक्वता पर लाख की कटाई के लिए विस्तृत प्रशिक्षण के साथ क्रिया कलापों का भी प्रदर्शन किया गया| ग्रामीणों को खंड प्रणाली द्वारा लाख की खेती करने के वारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी|

प्रतिभागियों से प्रशिक्षण एवं भविष्य के प्रशिक्षण कार्यकर्मों में संसोधन के वावत प्रतिक्रिया ली गयी| ग्रामीणों ने विशेषत: फ्लेमेंजिया सेमियालता पर लाख खेती करने का उत्सुकता दिखाई|

डा०शरद तिवारी,प्रमुख,कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग,वन उत्पादकता संस्थान राँची ने प्रशिक्षण पाठ्क्रम के वाद सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्ष्ण के संबंध में जानकारी ली एवं धन्यबाद ज्ञापन किया|

"वैज्ञानिक विधि द्वारा लाह की खेती के माध्यम से
ग्रामीणों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान"
विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 17-18 मार्च 2015
स्थान : लाह बीज फार्म, चंदवा, लातेहार
वन उत्पादकता संस्थान

"वैज्ञानिक विधि द्वारा लाह की खेती के माध्यम से
ग्रामीणों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान"
विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 17-18 मार्च 2015